हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 301 : जौनपुर, बुधवार 02 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

यूपी में 'श्री अन्न' को नए सिरे से बढ़ावा देगी योगी सरकार

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की जनता को 'पुष्टाहार" से लाभान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने अब मिलेट्स यानी 'श्री अन्न' के प्रति जागरूकता को बढ़ाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित 'उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम' के माध्यम से श्री अन्न के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इसके अंतर्गत न केवल मिलेट्स से बनने वाली रेसिपीज को बढ़ावा दिया जाएगा बल्कि उनके बारे में जागरूकता भी फैलाई जाएगी। इस कार्य योजना के अंतर्गत अब तक मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास किए गए, मगर अब एक कदम आगे बढ़ाते हुए इसे प्रदेश वृहद स्तर पर आमजन द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार का सहारा लिया जाएगा। न केवल प्रदेश के सभी जिलों में उपभोक्ता जागरूकता

कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा बल्कि इसे छात्रों के करिकुलम में भी शामिल किया जाएगा। हालांकि, उससे पहले शिक्षकों को भी जागरूक करने की आवश्यकता होगी और इसी बात को ध्यान में रखकर प्रदेश भर में अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्य को भी प्रारंभ किए जाने की तैयारी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में मिलेट्स एक्सपोर्ट्स के लिहाज से दूसरे पायदान पर है तथा केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना है कि भारत को आगामी वर्षों में 'नंबर वन मिलेट्स एक्सपोर्टर कंट्री' के रूप में जाना जाए। ऐसे में, देश के फूड बास्केट के तौर पर विख्यात प्रदेश भी एक बड़ी और सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर को मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम को आच्छादित करने की विस्तृत कार्य योजना को हरी झंडी दे दी गई है। कृषि विभाग द्वारा 01 फरवरी, 2023 से प्रदेश भर में मिलेट्स की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने का व्यापक अभियान चलाया गया जिसमें उन्हें मुफ्त बीज मिनीकिट उपलब्ध कराई गई। समाचार पत्रों व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापनों के जरिए भी मिलेट्स के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए। अब इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मिलेट्स आधारित संस्करण इकाई स्थापित किए जाने को भी प्रदेश में बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, नई विस्तृत कार्य योजना के अंतर्गत अब जिला स्तर पर मिलेट्स रेसीपी विकास, उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम, स्कूल करीकुलम व अध्यापकों के व्यापक प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। मिलेट्स को बतौर वैल्यू ऐडेड व वैल्यू प्रेस्ड प्रोडक्ट्स के तौर पर पेश किया जाएगा और इसके लिए मिलेट्स एफपीओ की देखरेख में मेलों का आयोजन किया जाएगा। मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए जिन मेलों को प्रदेश के हर जिले में आयोजित किए जाने की योजना है, उनमें मुख्य तौर पर स्कूली छात्र–छात्राओं, अभिभआवकों व शिक्षकों को जागरूक किया जाएगा। मिलेट्स के गुणों के प्रति जागरूकता लाने के लिए शैक्षणिक करिकुलम में भी इसे शामिल किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं, शुरुआती स्तर पर प्रदेश भर में 200 शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं के माध्यम से प्रदेश के अन्य शिक्षकों को भी मिलेट्स जागरूकता कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा और श्री अन्न के उपयोग, इससे जुड़े मिथकों को दूर करने व व्यापक जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने के लिए ट्रेंड किया जाएगा।

मोदी लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित, अवार्ड की राशि नमामि गंगे योजना में देने का ऐलान

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करते

हुए कहा कि एक–दूसरे पर भरोसा ही देश को मजबूत बनाएगा। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि अगर अविश्वास का माहौल है तो विकास असंभव है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के साथ मंच साझा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकमान्य तिलक स्वतंत्र प्रेस के महत्व का समझते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल दी। अंग्रेजों ने उन्हें भारतीय अशांति का जनक कहा था। उन्होंने कहा कि वह लोकमान्य तिलक के नाम पर पुरस्कार पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रिम कतार में थे। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि वह लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से मिली ध नराशि नमामि गंगे परियोजना के लिए समर्पित करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, "अगर विदेशी आक्रमणकारियों के नाम पर रखी गई चीजों का नाम बदल दिया जाता है तो आज कुछ लोग असहज हो जाते हैं। उन्होंने कहा, ''लोकमान्य तिलक में युवा प्रतिभाओं की पहचान करने की अनूठी क्षमता थी। वीर सावरकर इसका एक उदाहरण थे। पीएम मोदी ने कहा कि तिलक को वीर सावरकर की क्षमता का एहसास हुआ और उन्होंने विदेश में उनकी शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''जब किसी पुरस्कार का नाम लोकमान्य तिलक के नाम पर रखा जाता है तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में पुणे के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर पवार ने कहा कि भारत में पहली सर्जिकल स्ट्राइक छत्रपति शिवाजी के कार्यकाल में हुई थी। राकांपा नेता ने कहा कि देश ने दो युग देखे हैं– एक तिलक का और दूसरा महात्मा गांधी का।

मोहाली में परमजीत सिंह पम्मा के घर एनआईए की दबिश

एजेन्सी

मोहाली। पंजाब के अलग–अलग इलाकों में मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने छापे मारे। नेशनल जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने मंगलवार को परमजीत सिंह पम्मा के मोहाली फेज–3बी2 स्थित मकान नंबर–1263 में दबिश दी। घर पर पम्मा के पिता अमरीक सिंह व मां रतन कौर मौजूद थीं। सवा चार घंटे चले एनआईए के सर्च अभियान में घर के बाथरूम से कुछ आपत्तिजनक कागजात बरामद हुए। होशियारपुर में भी 2 जगह छापेमारी की गयी। केंद्र सरकार ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल विदेश में बैठे जिन 13 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है, उनमें परमजीत सिंह पम्मा का नाम भी शामिल है। पम्मा की मां रतन कौर के अनुसार एनआईए टीम करीब 8 बजे उनके घर में दाखिल हुई। टीम ने आते ही उनके घर को खंगालना शुरू कर दिया। रतन कौर ने बताया कि उनके फोन एनआईए ने अपने पास रख लिए थे और उनसे परमजीत सिंह पम्मा की जानकारी ली गई। पूछा गया कि पम्मा उनके संपर्क में है या नहीं। एनआईए की टीम ने पम्मा के मां–बाप की एफडी कॉपी के डाक्यूमेंट के अलावा, पासपोर्ट व घर के किराएदारों के वेरीफिकेशन कागजात भी चेक किए। एनआईए ने रतन कौर व अमरीक सिंह के मोबाइल से कुछ नंबर पर ट्रेस किए हैं।एनआईए की टीम को पम्मा के पिता अमरीक सिंह के हाथों लिखी 'जबर विरोधी एक्शन कमेटी' की एक कॉपी बरामद हुई। एनआईए के अनुसार यह बाथरूम में छिपाई हुई थी। टीम को खालसा स्टेट आइडियोलॉजी का एक पैम्फलेट भी मिला, उसे भी घर के बाथरूम में छिपाकर रखा गया था। एनआईए ने परमजीत सिंह पम्मा के घर पर अचानक दबिश दी थी। इस दबिश की लोकल पुलिस को भी भनक नहीं होने दी गयी। केंद्र सरकार ने न्यूयार्क से संचालित संगठन सिख फॉर जस्टिस को गैर कानूनी घोषित करते हुए उस पर पांच साल के प्रतिबंध लगाया है। सरकार का दावा है कि यह संगठन खालिस्तान के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। सूत्रों की मानें तो वांटेड खालिस्तानी आतंकी परमजीत सिंह पम्मा को भारत–इंग्लैंड विश्व कप मैच के दौरान देखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, चरमपंथ और आंतकवाद से मुकाबला जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है। भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस के 2022 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रभाव वैश्विक विकास और वैश्विक शासन की सशक्त आवाज के रूप में तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत के बढ़ते कद का अभिप्राय है कि अब न केवल आपको अपने पारंपरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना है बल्कि आपके कंधों पर हमारे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों की सेवा करने

की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह नयी प्रौद्योगिकी में साझेदारी, भारतीय सामान और सेवा के लिए नए बाजार सुरक्षित करने, मानवीय सहायता या भारतीय समुदाय को मदद के रूप में हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अधिकारियों को बहुआयामी और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने वाला होना चाहिए, उसके पास सूचनाएं होनी चाहिए और विभिन्न भूमिकाओं को निभाने के तौर तरीके सीखने चाहिए। उन्होंने कहा, ''आज, अंतरराष्ट्रीय समुदाय जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है, फिर चाहे वह सतत विकास हो, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, आपदा से निपटना हो या चरमपंथ एवं आतंकवाद से निपटना। आप जैसे युवा कूटनीतिज्ञों के लिए यह नयी चुनौतियों के साथ अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है मुर्मू ने सुझाव दिया कि उनकी सभी कोशिशों एवं गतिविधियों का एकमात्र उद्देश्य ''हमारे अपने देश की प्रगति और विकास होना चाहिए।

ईडी को तृणमूल सांसद नुसरत जहां के खिलाफ शिकायत मिली

एजेन्सी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अब अभिनेत्री से नेता बनी और तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य नुसरत जहां के खिलाफ एक संदिग्ध वित्तीय इकाई से जुड़े होने की शिकायत मिली है। राज्य भाजपा नेता शंकुदेब पांडा ने व्यक्तिगत रूप से सोमवार शाम को कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में ईडी के साल्ट लेक कार्यालय में जहां के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों ने कहा कि जब पांडा ने यह शिकायत दर्ज की थी, तब उनके साथ कुछ लोग भी थे, जिन्हें कथित तौर पर उस वित्तीय इकाई द्वारा धोखा दिया गया था, जहां उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य पूर्व निदेशक थीं। केंद्रीय एजेंसी को दी गई अपनी शिकायत में, पांडा ने आरोप लगाया कि सेवन सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नाम की उक्त इकाई ने ठगे गए निवेशकों से चार साल के भीतर उचित दरों पर आवासीय फ्लैट देने का वादा करके लगभग 6 लाख रुपये की राशि प्राप्त की। लेकिन उन्हें अभी तक वे आवासीय फ्लैट नहीं मिले हैं। पांडा ने कहा, "यह वित्तीय घोटाले का स्पष्ट मामला है। मामले में पहले कोर्ट में केस दायर किया गया था। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस सांसद को अदालत में उपस्थित रहने के लिए भी कहा, जिसकी उन्होंने अवहेलना की। इसलिए हम इस मामले में ईडी से संपर्क करने के लिए मजबूर हैं।"फरवरी 2012 में एक एंग्लो–इंडियन महिला के साथ कुख्यात पार्क स्ट्रीट सामूहिक बलात्कार के मामले में जहां विवादों के घेरे में हैं।

सभापति ने कहा, राज्यसभा में मणिपुर पर होगी शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को भी मणिपुर हिंसा मामले पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन में मणिपुर पर चर्चा की इजाजत दे दी है। इस चर्चा के लिए 2 घंटे 30 मिनट का समय आवंटित किया गया है। हालांकि, विपक्ष इस पर राजी नहीं हुआ। विपक्ष का कहना था कि राज्यसभा में इस मुद्दे पर विस्तार से दिनभर की चर्चा कराई जाए। इसके साथ ही विपक्षी सांसदों का कहना था कि प्रधानमंत्री मणिपुर मामले को लेकर सदन में आकर जवाब दें। मंगलवार को मणिपुर मामले में विस्तार से चर्चा को लेकर कुल 60 सांसदों ने राज्यसभा सभापति को नोटिस दिया था। राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन में कहा कि वह 20 जुलाई को ही इस मुद्दे पर अपनी व्यवस्था दे चुके हैं।

धनखड़ ने कहा कि मैंने 20 जुलाई को ही नियम 176 के अंतर्गत श्शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशनश की मंजूरी दे दी थी। सभापति ने कहा, मैंने इस मुद्दे पर विभिन्न दलों के नेताओं से अपने कक्ष में मुलाकात भी की थी। इस दौरान इसके अलावा मैंने सुझाव दिया कि उनके लिए उपयुक्त समय आवंटित किया जा सकता है ताकि सभी चिंताओं को सदन के समक्ष व्यक्त किया जा सके। दरअसल, विपक्ष का कहना है कि वह मणिपुर हिंसा मामले पर संक्षिप्त चर्चा नहीं चाहते बल्कि उनकी मांग है कि इस मामले पर विस्तार से चर्चा कराई जाए।

विपक्ष के मुताबिक नियम 267 में विस्तार से चर्चा होती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि नियम 267 के अंतर्गत चर्चा के उपरांत वोटिंग भी कराई जा सकती है, जबकि नियम 176 के अंतर्गत इस मुद्दे पर केवल संक्षिप्त चर्चा कराई जा सकती है। इसके अलावा विपक्ष प्रधानमंत्री के बयान की मांग पर भी अड़ा है। विपक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री सदन को मणिपुर की स्थिति के बारे में बताएं और उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। अपनी मांगों के समर्थन में विपक्षी सांसद राज्यसभा में मणिपुर, मणिपुर के नारे लगाते रहे। इन सांसदों ने प्रधानमंत्री से सदन में आकर बयान देने संबंधी नारे भी लगाए।

चंद्रयान-3 ने ट्रांसलूनर कक्षा में किया प्रवेश

एजेन्सी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने सोमवार आधी रात को उस समय एक बड़ी उपलब्धि हासिल की जब उसने चंद्रयान–3 को ट्रांसलूनर कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इसरो ने ट्वीट किया, "इस्ट्रैक में एक सफल पेरिगी–फायरिंग की गई, इसरो ने अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसरो ने चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, "अगला पड़ावरू चंद्रमा। उन्होंने कहा कि यान पांच अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगा और 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा।

नूंह में कर्फ्यू, हिंसा में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हुई

एजेन्सी

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की यात्रा को रोकने की कोशिश करने पर भड़की हिंसा में मृतक संख्या बढ़कर पांच हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नूंह में हिंसा के बाद गुरुग्राम के सेक्टर–57 में भीड़ के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक धार्मिक स्थल में आग लगा दी गई। हरियाणा के हिंसा प्रभावित नूंह जिले में अधिकारियों ने मंगलवार को कर्फ्यू लगा दिया। नूंह में हिंसा के दौरान सोमवार को होमगार्ड के दो जवानों की मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि यह हिंसा गुरुग्राम में भी फैल गई और शहर के सेक्टर–57 में भीड़ के हमले में 26 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक मस्जिद में आग लगा दी गई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने गोलियां चलाईं, जिसके कारण दो लोग घायल हो गए और इनमें से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार निवासी साद के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि भीड़ आधी रात के बाद सेक्टर–57 स्थित अंजुमन मस्जिद पहुंची और कुछ लोगों ने मस्जिद में मौजूद लोगों पर गोलीबारी की तथा परिसर में आग लगा दी। नूंह में हिंसा के दौरान सोमवार को घायल हुए दो और लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान होमगार्ड नीरज और गुरसेवक तथा भादस गांव निवासी शक्ति के रूप में हुई है।

हिंसा में मारे गए चौथे व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। नूंह में हिंसा के दौरान घायल हुए 23 लोगों में 10 पुलिसकर्मी शामिल हैं। पुलिस ने दंगे संबंध में जिले में 11 प्राथमिकी दर्ज की हैं और 27 लोगों को हिरासत में लिया है। जिले में हिंसा के दौरान कम से कम 120 वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुणे के दगडूशेठ मंदिर में की पूजा–अर्चना

एजेन्सी

पुणे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर में पूजा–अर्चना की। दिल्ली से पुणे पहुंचने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी शिवाजी रोड स्थित इस प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पहुंचे। मंदिर के न्यासियों ने बताया कि मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इस पद पर रहते हुए मंदिर के दर्शन किए तथा वहां पूजा–अर्चना की। कुछ पूर्व राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तथा बाद में, पूर्व प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री तथा राजनीतिक नेता 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। दगडूशेठ हलवाई मंदिर का प्रबंधन श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट करता है और यह राज्य के सबसे अमीर मंदिरों में से एक है तथा श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां विराजमान देवता मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। फखरुद्दीन अली अहमद राष्ट्रपति पद पर रहते हुए मंदिर आए थे और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर तथा आई के गुजराल पद पर न रहने के बाद मंदिर में पूजा–अर्चना कर चुके हैं।

वाजपेयी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी यहां दर्शन करने आए थे जबकि शंकर दयाल शर्मा राष्ट्रपति पद का अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद मंदिर में आए थे।

सीमा हैदर और सचिन को मिला फिल्मों में काम करने का ऑफर

एजेन्सी

ग्रेटर। नोएडा पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर को फिल्मों में काम करने का ऑफर मिला है। काफी दिनों से वायरल हो रही सीमा और सचिन के बदहाली की खबर के बाद एक प्रड्यूसर ने उन्हें फिल्म में काम करने का ऑफर दिया है और उनकी मदद करने की पेशकश की है। मेरठ निवासी अमित जानी ने मुंबई में अपनी बन रही फिल्म में दोनों को काम करने का ऑफर दिया है। ताकि काम करके वे अपना जीवन यापन कर सकें। अमित जानी मुंबई में कन्हैया मर्डर पर फिल्म बना रहे हैं। उनका कहना है कि शुरू में हम सीमा हैदर के साथ नहीं थे लेकिन पता चला उसे और सचिन को खाने–पीने की परेशानी है तो मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मे अंजू की मदद के लिए हाथ बढ़ रहे हैं तो इधर सचिन और सीमा हैदर ने कहा है कि वे पुलिस की इन्वेस्टिगेशन के कारण काम–धंधे पर नहीं जा पा रहे हैं। सीमा और सचिन के सामने आजीविका की समस्या है, ये खबर जैसे ही वायरल हुई तो मेरठ निवासी उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अमित जानी ने सीमा–सचिन के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्हें अपने फिल्म प्रॉडेक्शन हाउस जानी फायरफॉक्स मे अभिनय का ऑफर दिया है।

अमित जानी ने हाल ही में मुंबई में फिल्म प्रोडेक्शन हाउस बनाया है।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण अरुणाचल प्रदेश के लिए 91 सड़कों, 30 पुलों को दी मंजूरी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत अरुणाचल प्रदेश में 757.58 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 720.75 किमी की कुल लंबाई वाली 91 सड़कों और 30 लॉन्ग स्पैन पुलों को अपग्रेड करने की योजना है।

इस पहल का उद्देश्य राज्य के कई जिलों में 500 बस्तियों में ग्रामीण सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करना है, जिसमें चांगलांग, दिबांग घाटी, पूर्वी कामेंग, पूर्वी सियांग, कामले, क्रा दादी, कुरुंग कुमेय, लेपा राडा, लोहित, लोंगडिंग, लोअर दिबांग वैली, लोअर सियांग, निचला सुबनसिरी, नामसाई, पक्के केसांग, पापुम पारे, सियांग, तवांग, तिरप, ऊपरी सियांग, ऊपरी सुबनसिरी, पश्चिम कामेंग और पश्चिम सियांग शामिल हैं। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है।

सम्पादकीय

लापता लाखों महिलाएं

इन आंकड़ों पर अविश्वास का कोई कारण नजर नहीं आता कि देश में दो साल के भीतर 13.13 लाख महिलाएं और लड़कियां लापता हुईं। वजह यह कि आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने जुटाया है और संसद के पटल पर रखा गया है। वैसे इस बात की कोई गारंटी भी नहीं कि देश के दूर–दराज के इलाकों से लापता हर महिला और लड़की की गुमशुदगी भी इन आंकड़ों में शामिल हो। वैसे भी बहुत से लोग कथित इज्जत के नाम पर रिपोर्ट दर्ज कराने से गुरेज करते हैं। बहरहाल, यह किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक ही है कि महज दो साल में तेरह लाख से अधिक महिलाएं और लड़कियां गायब हो जाएं और उनकी कोई खैर–खबर न मिले। यह संकट जहां पुलिस–प्रशासन की नाकामी को दर्शाता है, वहीं समाज को भी आत्ममंथन को बाध्य करता है कि हमने ऐसी स्थितियां क्यों बनने दी कि महिलाओं ने परेशान होकर घर छोड़ा या फिर वे असामाजिक तत्वों के चंगुल में फंस गईं। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है और लापता होने का आंकड़ा बहुत बड़ा है और चीन के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर है। यह विडंबना ही है कि मणिपुर मुद्दे पर जारी राजनीतिक कोलाहल के बीच इस ज्वलंत मुद्दे पर गंभीर राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं आई। दुरूखद स्थिति यह भी है कि लापता होने वाली महिलाओं में ढाई लाख की संख्या नाबालिग लड़कियों की है। कहना मुश्किल है कि वे मानव तस्करी करने वालों के हत्थे चढ़ीं या अपने किसी परिचित के साथ नये जीवन की शुरुआत के लिये निकलीं। यह कहना भी कठिन है कि 2021 के बाद स्थितियां बदल गईं और इन आंकड़ों में कुछ लाख और महिलाएं व लड़कियां शामिल नहीं होंगी। लेकिन कुल मिलाकर हमारे समाज में स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि एक आम महिला आत्मसम्मान व सुरक्षा का जीवन सहजता से जी सके। जिसको लेकर गंभीर मंथन करने की जरूरत है। बहरहाल, तेरह लाख महिलाओं व लड़कियों का लापता होना समाज में विमर्श की मांग करता है कि आखिर वे गई कहां। निश्चित रूप से हालिया वर्षों में समाज में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में खासी तेजी आई है। निर्भया कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिये जो सख्त कानून बने भी, उनका अपेक्षित प्रभाव समाज में नजर नहीं आता। आये दिन समाज में महिलाओं के अपहरण, बहला–फुसलाकर भगा ले जाने तथा मानव तस्करी के समाचार अखबारों की सुर्खियां बनते रहते हैं। ऐसे में हम इन महिलाओं के लापता होने के लिये सिर्फ सरकार को ही दोषी नहीं ठहरा सकते। पिछले दिनों कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं कि अपराधी व सिरफिरे आशिक एकतरफा प्यार में विफलता के बाद सार्वजनिक रूप से लड़कियों की हत्या करते रहे और भीड़ तमाशबीन बनी रही या वीडियो बनाने में मशगूल रही। ऐसे में महिलाओं व लड़कियों के लापता होने में समाज अपने उत्तरदायित्व से बच नहीं सकता। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई क्रूरता ने देश को दुनिया में शर्मसार किया, जहां जातीय दुश्मनी के बदले का शिकार महिलाओं को बनाया गया। ऐसे में समाज के हर व्यक्ति को आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम ऐसा समाज बनाने में योगदान दे रहे हैं,जहां किसी भी महिला के लापता होने की स्थिति न बने। कन्या भ्रूणहत्या करने वाले तथा दहेज के लिये विवाहिता को मारने वाले भी इसी समाज का हिस्सा हैं, जो महिलाओं के प्रति क्रूरता का ही एक रूप है। देश के कई भागों में असंतुलित लिंग अनुपात भी स्त्री विरोधी सोच की बानगी है। यह सोच महज सख्त कानून से नहीं बदलने वाली। हमें सोचना होगा कि महिलाएं क्यों यौन हिंसा की शिकार बन रही हैं? क्यों समाज में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, अपहरण व दुष्कर्म के मामले लगातार बढ़ रहे हैं? जाहिरा तौर पर ये समाज में पनप रही विषाक्त सोच की ही परिणति है। यह तय है कि किसी भी समाज में महिलाओं की स्थिति उसके सभ्य या असभ्य होने का परिचायक है। हमें अपने गिरेबां में झांकना होगा कि हम इस कसौटी पर कहां खड़े हैं? जिसके लिये समाज और राजनीतिक नेतृत्व को गंभीर पहल करनी होगी।

योगी का ज्ञानवापी पर आह्वान

हिन्दुओं के देवाधिदेव कहे जाने वाले भगवान विश्वनाथ की नगरी काशी भारत की अस्मिता का प्रतीक इस स्वरूप में रही है कि इस नगर को बसाने का श्रेय स्वयं भगवान शंकर को ही जाता है। बेशक यह भारतीय पौराणिक हिन्दू धर्म ग्रन्थों की मान्यता है परन्तु भारत के लोगों का इसमें विश्वास बताता है कि यह प्रश्न केवल आस्था का न होकर इस देश के पुरातन धार्मिक इतिहास का है। इतिहास भी हमें इसके पक्ष में ही दस्तावेज मुहैया काराता है और कहता है कि 1669 में मुगल सम्राट औरंगजेब ने शाही फरमान जारी कर काशी या बनारस के विश्वनाथ मन्दिर को विध्वंस करने का आदेश दिया था। इस शाही फरमान के आलोक में यदि विश्वनाथ धाम परिसर में बने ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद का स्वरूप औरंगजेब काल में दिया गया तो निश्चित रूप से मुगलकाल में की गई यह ऐतिहासिक भूल या गलती थी जिसके परिमार्जन करने के अधिकार से हिन्दुओं को बेदखल नहीं किया जा सकता क्योंकि औरंगजेब का यह कृत्य इस देश की सांस्कृतिक धरोहर को ही नष्ट करने का था। जिस प्रकार औरंगजेब के पिता द्वारा आगरा में बनवाये गये 'ताजमहल' के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कही जायेगी उसी प्रकार ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद स्वरूप में परिवर्तित करने के प्रयास को देखा जायेगा, बेशक यह प्रयास 17वीं सदी में क्यों न किया गया हो। अतः उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ का यह कथन पूर्णतः तार्किक व वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित है कि ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद कहना गलत है और इतिहास की इस गलती को स्वीकार करते हुए मस्जिद की इंतजामिया कमेटी को स्वयं ही एक प्रस्ताव करके ज्ञानवापी को हिन्दुओं को सौंप देना चाहिए और अदालतों के चक्कर नहीं काटने चाहिए। योगी आदित्यनाथ उस 'नाथ सम्प्रदाय' की गोरखनाथ पीठ के महन्त हैं जो 'अलख निरंजन' में विश्वास रखती है। इसका अर्थ ईश्वर के निराकार स्वरूप से होता है और मानवता की प्रतिष्ठापना इसका लक्ष्य होता है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जरूरी होता है कि आदमी सबसे पहले इंसान बने और उसमें आपस में भाईचारा हो। इसी भाईचारे को आधार बना कर 1920 में देवबन्द इस्लामी विचार पर गठित जमीयत उल–उलमा–ए–हिन्द के प्रमुख मौलाना हसन मदनी ने पाकिस्तान निर्माण का विरोध करते हुए भारत के लोगों की संस्कृति को 'मुत्तेहैदा कौमियत' का नाम दिया था और मुस्लिम लीग के नेताओं को चुनौती दी थी कि वे भारत के मुसलमानों की अलग कौमियत के सिद्धान्त पर उनसे बहस करने की हिम्मत करें। यह मुत्तेहैदा कौमियत यही है कि हिन्दू और मुसलमान सदियों से एक–दूसरे की भावनाओं व मान्यताओं का सम्मान करते हुए भारत में रहते आ रहे हैं और इस देश की सामाजिक–आर्थिक संरचना का हिस्सा है। इसी मुत्तेहैदा कौमियत की मांग है कि कांशी के ज्ञानवापी क्षेत्र में मस्जिद का निर्माण मन्दिर के भग्नावशेषा के ऊपर ही करा कर औरंगजेब ने जो ऐतिहासिक गलती की थी उसमें स्वयं मुस्लिम बन्धुओं द्वारा ही सुधार करने की शुरूआत की जाये और भारत की एकता को सुदृढ़ बनाया जाये।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत के मुस्लिम सुल्तानों से लेकर मुगल बादशाहों तक ने इसकी संस्कृति का सम्मान किया है। औरंगजेब या कुछ सुल्तान इसका अपवाद जरूर हो सकते हैं मगर भारतीय मुसलमानों ने भी भारत की संस्कृति का सम्मान करके ही शासन किया। मुस्लिम सुल्तान अलाऊद्दीन खिलजी और मुहम्मद बिन तुगलक ने हिन्दू देवी–देवताओं की तस्वीर वाले सिक्के तक चलाये। मुगल सम्राट अकबर हिमाचल में स्थित ज्वाला देवी के मन्दिर में पैदल यात्रा करके गया। यदि वर्तमान भारत की बात करें तो बरेली में 'चुन्ना मियां' का बनाया भगवान लक्ष्मी नारायण का मन्दिर भी हमारे सामने है और दिल्ली की फतेहपुरी मस्जिद को छुड़ाने के लिए नगर 'सेठ छुन्ना मल' द्वारा दिया गया धन भी यही कहानी कहता है। अन्तिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वारा जमुना जी किनारे शुरू कराई गई राम लीला भी इसकी गवाही देती है।

यही तो मुत्तेहैदा कौमियत होती है। काशी विश्वनाथ की कथित मस्जिद की दीवारों से लेकर उसका पूरा स्थापत्य ढांचा चीख–चीख कर कह रहा है कि मन्दिर के ढांचे के ऊपर ही औरंगजेब काल में मस्जिद के गुम्बद बना दिये गये और शाही रुआब कायम करने के लिए वहां बाद में नमाज पढ़ना भी शुरू कर दिया गया। वरना मस्जिद के अन्दर हिन्दू देवी–देवताओं की खंडित मूर्तियां व संस्कृत के श्लोक क्या कर रहे हैं। हालांकि यह मामला अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय में है और 3 अगस्त को न्यायालय फैसला देगा कि ज्ञानवापी क्षेत्र का भारतीय पुरात्तव विभाग से सर्वेक्षण कराया जाये या नहीं मगर इस्लाम के सिद्धान्त भी कहते हैं कि किसी दूसरे धर्म के स्थल को मस्जिद में नहीं बदला जा सकता। इसलिए राष्ट्रहित व हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए ज्ञानवापी क्षेत्र पर कुछ मुस्लिम लोगों को जिद छोड़ कर उस भारत की सामाजिक एकता के बारे में सोचना चाहिए जिसके लिए लाखों हिन्दू–मुसलमानों ने अपनी कुर्बानियां दी हैं।

योगी आदित्यनाथ ने जो सुझाव दिया है उसका एक कानूनी पहलू भी है क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार के रिकार्ड में 1964 के करीब ही यह आ गया था कि पूरा विश्वनाथ धाम क्षेत्र काशी परिक्षेत्र ही है और उस समय राज्य में कांग्रेस की श्रीमती सुचेता कृपलानी की सरकार थी। 1993 से पहले हिन्दू भक्तों के लिए मस्जिद के अन्दर जाकर पूजा करने की भी छूट थी। यह कार्य मुस्लिम नागरिकों की सहमति से ही होता था।

मानव तस्करी पर चिंताजनक रिपोर्ट

मानव तस्करी निषेध दिवस पर वर्ष 2016 से 2022 तक की जारी रिपोर्ट न केवल चिंताजनक है वरन वह विकास की पोल खोलती हुई भी नजर आती है। यह रिपोर्ट रविवार को नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा उन्हीं के नाम से स्थापित चिल्ड्रेंस फाउंडेशन एवं एनजीओ गेम्स 24 गुणा 7 की ओर से जारी की गयी। इसे श्चाइल्ड ट्रेफिकिंग इन इंडियारू इनसाइट्स फ्रॉम सिचुएशनल डाटा एनालिसिस एंड दी नीड फॉर टेक ड्रिवन इंटरवेंशन स्ट्रेटेजीश के नाम से प्रकाशित किया गया है। इसमें 2016–22 के दौरान हुई मानव तस्करी के विस्तृत आंकड़े व विवरण तो दिये ही गये हैं, इस अपराध की रोकथाम के उपाय भी सुझाए गये हैं। आवश्यकता इस बात की है कि मानव तस्करी रोकने के लिये सम्बन्धित कानूनों का कड़ाई से पालन करने के साथ उन सामाजिक परिस्थितियों को समाप्त किया जाए जो इस समस्या के मूल में हैं। वैसे इस रिपोर्ट के अनुसार कोरोना के बाद मानव तस्करी में बेतहाशा

इजाफा दर्ज हुआ है, विशेषकर बच्चों की तस्करी के मामले में। देश के 21 राज्यों और 262 जिलों में किये गये सर्वेक्षणों के आधार पर तैयार रिपोर्ट में ऐसे अनेक चिंताजनक खुलासे हुए हैं जिन पर सरकार को तत्काल संज्ञान लेने तथा समग्र समाज को इस समस्या से मुक्तिपाने के लिये कमर कसने की जरूरत है। इसमें बताया गया है कि उपरोक्त बतलाई गयी अवधि में ज्यादातर बच्चों की ही तस्करी हुई है लेकिन महामारी के पश्चात ऐसे मामलों में 68 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह साबित करता है कि बच्चे और उनके परिवार घोर गरीबी व भुखमरी के शिकार हुए हैं तभी उनके बच्चों को उनकी मर्जी से अथवा बिना सहमति या मर्जी के उनके गृह नगर, गांव या कस्बों को छोड़कर अन्य शहरों का रुख करना पड़ा। जाहिर है कि बड़े पैमाने पर बच्चों को उनके जीवन जीने और शिक्षा के अधिकार से वंचित होना पड़ा है। रिपोर्ट बतलाती है कि 13 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के 15 फीसदी से अधिक बच्चे विभिन्न तरह की दुकानों, ढाबों एवं उद्योगों में काम करते हैं, तो वहीं 13 फीसदी कपड़े की दुकानों से आजीविका प्राप्त करते हैं। 11 फीसदी से ज्यादा बच्चे खुदरा दुकानों में काम करते हुए गुजारा कर रहे हैं। उपरोक्त उल्लेखित अवधि यानी 2016–22 के दौरान जिन बच्चों की तस्करी की गयी उनमें 13 फीसदी 9 से 12 वर्ष और 2 फीसदी 9 साल से कम उम्र के हैं। फाउंडेशन व सहयोगी संगठनों ने 13500 से ज्यादा बच्चों को उनके कामों (दुकानें, ढाबे, उद्योग) से छुड़ाया। जिन बच्चों को मुक्त कराया उनमें से 80 प्रतिशत 18 वर्ष से कम आयु के हैं जो यह बतलाने के लिये काफी है कि देश में बाल श्रम कानूनों का जमकर उल्लंघन हो रहा है। कुछ खतरनाक उद्योगों में भी काम करते हुए बच्चे मिले जिन्हें छुड़ाया गया। उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश से सर्वाधिक बच्चों की तस्करी हुई। शहरों की बात करें तो जयपुर व दिल्ली में सबसे ज्यादा ऐसे बच्चों को विभिन्न तरह के कामों के लिये पहुंचाया गया।

रिपोर्ट समाज के इस दुखद पहलू की ओर भी ध्यान दिलाती है कि कोविड–19 ने देश में जो आर्थिक तबाही लाई है, उसका सीधा असर बच्चों पर भी पड़ा है। घर में रोटी कमाने वाले की मृत्यु होने या परिवार के मुखिया के रोजगार चले जाने जैसे कारण इसके पीछे हो सकते हैं जिसके चलते बच्चों के कोमल कांधों पर उनके अपने और सम्भवतरू साथ में परिवारजनों के पेट भरने की जिम्मेदारी भी आन पड़ी होगी। पारिवारिक कलह भी एक कारण हो सकता है। चाहे जिन कारणों से भी बच्चों को घर छोड़कर कच्ची आयु में रोजी–रोटी के लिये संघर्ष करना पड़ा हो, बेशक यह स्थिति सरकार व समाज दोनों के ही लिये बहुत शर्मनाक है। यह भी ध्यान रहे कि यह देश की सच्चाई का एक बहुत छोटा सा हिस्सा है। असली तस्वीर इसके मुकाबले बहुत बड़ी है। घरेलू नौकरों के रूप में या सुदूर गांवों आदि में ले जाये गये तथा वहां काम करते हुए बच्चे प्रशासन की निगाहों से बच जाते हैं।

उनके लिये कानून के उल्लंघन से अधिक महत्वपूर्ण दो जून की रोटी का जुगाड़ है। बहुत से बच्चे काम खो जाने के भय व अपनी जरूरत के चलते प्रशासन या उन्हें छुड़ाने वाले संगठनों से स्वयं की जानकारी को छिपा जाते हैं। यह रिपोर्ट विकास के खोखलेपन को भी उजागर करती है और अनेक विसंगतियों को सामने लाती है। एक ओर तो भारत दुनिया भर में अपनी महानता और विशाल अर्थव्यवस्था होने का दावा करता फिर रहा है, वहीं यह रिपोर्ट इस बात का साक्ष्य है कि देश का सामाजिक सुरक्षा का ढांचा बेहद ढीला–ढाला है और मानव विकास से संबंधित कार्यक्रमों को लागू करने वाली व्यवस्था एकदम से प्रभावहीन है।

जिन बच्चों को कल के हिन्दुस्तान की तस्वीर कहकर महिमा मंडित किया जाता है वे छोटी–मोटी दुकानों में राशन–परचून बेचते, ढाबों व खानपान के ठेलों के पीछे जूठे बर्तन मांजते, उद्योगों में काम करते हुए या ऐसे ही किसी असंगठित क्षेत्र में मेहनत–मजदूरी करते हुए अपने वर्तमान को स्वाहा कर रहे हैं। सरकार व समाज के पास उनके हाथों में किताबें थमाने व अच्छा जीवन देने की अब न तो इच्छा है और न ही समाज इसके लिये दृढ़ संकल्पित है। इस विश्वव्यापी (खासकर तीसरी दुनिया कहलाने वाले देशों की) समस्या की गम्भीरता को देखते हुए राष्ट्रसंघ ने माना है कि श्मानव तस्करी एक संगीन अपराध है और मानवाधिकार का बड़ा उल्लंघन है। बच्चों को उनके अधिकार लौटाये बिना समृद्ध व खुशहाल देश की कल्पना करना बेकार है।

विकास और वन संरक्षण मे संतुलन

आदित्य नारायण

वन संरक्षण समय की जरूरत है। वन महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं जो भूमि के बड़े हिस्से को कवर किए हुए हैं। वनों से ही मानव को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है। जंगल वातावरण को संतुलित रखते हैं। वन्य प्रणियों को आश्रय इन्हीं से मिलता है। मनुष्य के दैनिक जीवन की चीजों की समुचित आपूर्ति में वनों का महत्वपूर्ण योगदान है। जीवन की छोटी–छोटी जरूरतें और आयुर्वेदिक औषधियां भी वनों से ही प्राप्त होती हैं। जंगल शुद्ध प्राण वायु देते हैं इसलिए मनुष्य और समस्त जीव–जंतुओं के लिए यह प्रकृति द्वारा प्रदत्त अमूल्य धरोहर है। वनों को काट–काट कर बस्तियां बसाने का परिणाम हम देख रहे हैं। वनों का क्षेत्रफल घट जाने से पर्यावरण को काफी नुक्सान पहुंच चुका है। अब हमें लगातार प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। वन संरक्षण का अर्थ वनों को विभिन्न कारकों द्वारा नष्ट होने से बचाना है। हाल ही में वन संरक्षण संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित घ्कर दिया गया। इस विधेयक को लेकर दो मुख्य चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। पहली च्चिंता वनों की कानूनी परिभाषा को लेकर है। दूसरी चिंता वनों पर निर्भर समुदाय के अधिकारों और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जंगल बचेंगे कैसे? वर्ष 1980 का वन संरक्षण अधिनियम अपने संरक्षणवादी रुख के लिए जाना जाता था जिससे वन संबंधी मंजूरी प्राप्त करना अधिक समय लेने वाला और महंगा हो गया था। हालांकि नये संशोधन अधिनियम के दायरे को 25 अक्तूबर 1980 के बाद केवल कानूनी रूप से अधिसूचित और सरकार द्वारा च्चिह्नित वनों तक सीमित करता है। 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया था जिसने 1980 के अधिनियम के दायरे को 'वन' के व्यापक अर्थ तक बढ़ा दिया था। अर्थात अब केवल कानूनी रूप से वन के रूप में अधिसूचित क्षेत्रों की बजाय पेड़ों वाले क्षेत्र भी इसमें शामिल होंगे। वन संरक्षण संशोधन विधेयक अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के 100 किमी. के भीतर सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे के लिए छूट प्रदान करता है। दुर्भाग्य से इसमें पूर्वोत्तर भारत के जंगलों और उच्च ऊंचाई वाले हिमालयी जंगलों और घास के मैदानों जैसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल नहीं किया गया है जो अपनी जैव विविधता के लिए जाने जाते हैं। जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए इन संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों को संरक्षित करना अवश्यक है। यह संशोधन चिड़ियाघर, सफारी पार्क और इको–पर्यटन सुविधाओं जैसी घनिर्माण परियोजनाओं के लिए छूट प्रदान करता है। यद्यपि कृत्रिम रूप से निर्मित हरित क्षेत्र प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का स्थान नहीं ले सकते, जो आवश्यक पारिस्थितिक तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा विधेयक केन्द्र सरकार को किसी भी वांछित उपयोग को निर्दिष्ट करने की अप्रतिबंधित शक्तियां प्रदान करता है जिससे उचित पर्यावरणीय जांच के बिना वन संसाधनों के संभावित दोहन के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। यह विधेयक मार्च महीने में 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति मई में जेपीसी द्वारा जनता के सुझाव आमंत्रित किए गये थे। समिति ने विधेयक में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया था। हालांकि विपक्ष के 6 सांसदों ने असहमति नोट दाखिल किया था। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में वन भूमि को अधिनियम के दायरे से छूट देने पर आपत्ति जताई थी जो विशेष रूप से हिमालय क्षेत्र में जैवध् विविधता और वन कवरेज के लिए हानिकारक हो सकता है। इस विधेयक के कानून बन जाने से मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और मणिपुर के अत्यधिक संवेदनशील राज्यों के पूरे क्षेत्र को वन संरक्षण अधिनियम 1980 के सतर्कता दायरे से ही बाहर कर दिया जाएगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि प्रस्तावना के अनुसार, एफसीएबी का उद्देश्य कॉर्पोरेट के लिए मार्ग प्रशस्त करना और वाणिज्यिक उपयोग के लिए वन भूमि को खोलना है लेकिन पूर्वोत्तर क्षेत्र जो पांच देशों से घिरा है और अवर्गीकृत वन श्रेणी के तहत सबसे बड़ा क्षेत्र है, की तुलना में कहीं भी इसका इतना व्यापक प्रभाव नहीं होने वाला है। यह क्षेत्र एक जैव–विविधता हॉटस्पॉट के रूप में मान्यता प्राप्त है। वन संरक्षण के लिए आवाज उठाने वालों का कहना है कि सख्त मंजूरी नियमों के बिना इन नाजुक पहाड़ों पर परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण की अनुमति देना, मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र को और भी अधिक खतरे में डाल देगा। उन्होंने कहा कि जहां एफसीएबी पूरे देश को प्रभावित करेगा वहीं पूर्वोत्तर राज्यों को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा क्योंकि एफसी एक्ट 1980 के सुरक्षात्मक आवरण को ही हटाने का प्रस्ताव है।ण्ए कानून में, यदि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के 100 किलोमीटर के भीतर 'राष्ट्रीय सुरक्षा' और 'राष्ट्रीय महत्व' से संबंधित किसी भी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए साइटों के रूप में वन भूमि को चुना जाता है तो उसे मौजूदा एफसी एक्ट 1980 के दायरे से बाहर करने की मांग की गई है। इसका मतलब है कि मिजोरम, नगालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा पूरे के पूरे राज्य प्रभावित होंगे क्योंकि इन राज्यों का भौगोलिक आकार अंतर्राष्ट्रीय सीमा के किसी भी बिंदु से की गई गणना में 100 किलोमीटर से अधिक नहीं है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन चिंताओं के बावजूद वन कानूनों को लेकर अधिकारी विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाते हैं। हालांकि केन्द्र सरकार ने बार–बार यह कहा है कि वन अधिकारी अधिनियम का उल्लंघन नहीं होने देगा।

समस्याओं पर विचार करने योग्य बनना भी जरूरी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए ने हाल में पुणे के डा. अदनान अली को गिरफ्तार किया है। एमबीबीएस–एमडी अदनान 16 वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय था। उसे अंग्रेजी, हिंदी, मराठी और जर्मन भाषाओं का ज्ञान है। इतना उच्च शिक्षित होने के बावजूद वह आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। वह खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में नौजवानों की भर्ती कराने की कोशिश कर रहा था। सामान्य धारणा यह है कि उच्च शिक्षित लोग संस्कारवान और अपराध से दूर रहते हैं। मानवता और राष्ट्र के प्रति संवेदनशील होते हैं, लेकिन वस्तुस्थिति इससे भिन्न है। ऐसे मामले दर्शाते हैं कि शिक्षित होना संस्कारवान होने की गारंटी नहीं। अलकायदा सरगना ओसामा बिना लादेन से लेकर अल जवाहिरी और जैश–ए–मोहम्मद से जुड़ा अफजल गुरु भी उच्च शिक्षा प्राप्त था। खालिस्तान के कुछ पक्षधर भी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। भारत की प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी भी उच्च शिक्षित होते हैं, लेकिन कई लोक सेवक गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। राष्ट्रजीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उच्च शिक्षित लोगों की ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। आधुनिक शिक्षा प्रामाणिक मनुष्य नहीं तैयार करती। जबकि मनुष्य को संस्कृति, राष्ट्र और मनुष्यता के प्रति निष्ठावान संस्कारों की आवश्यकता होती है। आदर्श नागरिक बनाने के लिए मनुष्य का प्रबोधन आवश्यक है। यह शिक्षा के माध्यम से होना चाहिए, किंतु स्थिति निराशाजनक है। वर्तमान शिक्षा आजीविका प्रबंधन और धन संपन्नता अर्जित करने का उपकरण मात्र बनी हुई है। प्रसिद्ध विचारक जे. कृष्णमूर्ति ने कहा है, 'शिक्षा का मतलब कुछ परीक्षाएं पास कर लेना ही नहीं होता, बल्कि सभी समस्याओं पर विचार करने के योग्य बनना होता है। शिक्षा का तात्पर्य यही है कि आप स्वतंत्रतापूर्वक बेरोकटोक विकसित हो सकें।' शिक्षा को संस्कृति के साथ जोड़ना जरूरी है। वस्तुतः, संस्कृति कुछ और नहीं, बल्कि उच्चतर जीवन मूल्यों के संवर्धन का ही नाम है। भारत के संविधान में इसे मूल कर्तव्यों के अंतर्गत 'सामासिक संस्कृति' कहा गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने 'सामासिक संस्कृति' के निर्वचन में कहा है, 'इस सामासिक संस्कृति का आधार संस्कृत भाषा और साहित्य है, जो इस महान देश के भिन्न–भिन्न जनों को एक रखने वाला सूत्र है। इस देश के लोगों में अनेक भिन्नताएं हैं। वे गर्व करते हैं कि वे एक सामान्य विरासत के सहभागी हैं। वह विरासत संस्कृत की विरासत है।' समकालीन शिक्षा में सांस्कृतिक प्रवाह नहीं है। नई शिक्षा नीति में यह कोशिश की गई है। पुरातन को अद्यतनातन बनाना होगा। अनुपयोगी कालबाह्य छोड़कर उपयोगी आधुनिकता गढ़ना शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए, लेकिन विदेशी सत्ता के दौरान भारत के अतीत को अपमानित करने और इतिहास परंपरा के विरूपण का काम हुआ। दर्शन विज्ञान आधारित हिंदू संस्कृति को सांप्रदायिक कहा गया। शिक्षा प्रामाणिक नागरिक नहीं बना पाई। ब्रिटिश राज में प्रामाणिक मनुष्य की रचना का काम बाधित हुआ। शिक्षा का उद्देश्य ब्रिटिश सत्ता के आज्ञाकारी अधिकारी–कर्मचारी तैयार करना हो गया। स्वतंत्र भारत में भी अंग्रेजी राज वाली शिक्षा प्रणाली चलती रही। ऐसी शिक्षा से राष्ट्र को खास लाभ नहीं हुआ। इस शिक्षा ने समाज के प्रत्येक शिक्षार्थी को प्रतिस्पर्धी बनाया। प्रतिस्पर्धी समाज अपने स्वार्थ में सही गलत सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। पढ़े–लिखे युवा भी आतंकी संगठनों का कच्चा माल बनते हैं। भ्रष्ट बनते हैं। अपराधी भी बनते हैं। गांधीजी ऐसी शिक्षा से चिंतित थे। गांधीजी ने इस संदर्भ में लिखा, 'अब ऊंची शिक्षा को लें। मैंने भूगोल सीखा। खगोल सीखा। बीजगणित–रेखागणित का ज्ञान भी हासिल किया, भूगर्भ–विद्या को भी पा गया, लेकिन उससे मैंने अपने आसपास के लोगों का क्या भला किया? अगर यही सच्ची शिक्षा हो तो मैं कसम खाकर कहूंगा कि जो शास्त्र मैंने गिनाए हैं, उनका उपयोग मुझे नहीं करना पड़ा। ऐसी शिक्षा से हम मनुष्य नहीं बनते। उससे हम अपना कर्तव्य नहीं जान सकते। भारत में प्राचीनकाल से ही शिक्षा का उद्देश्य मुक्त चिंतन आधारित संस्कार देना एवं लोकमंगल की भावना विकसित करना था और प्रामाणिक मनुष्य बनाना भी। विषयों का ज्ञान व्यक्ति के चित्त का रूपांतरण नहीं करता।

आज का राशिफल

मेष :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा।

सिंह :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– ''खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनचर्या को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– भौतिक सुख–साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी। परिश्रम द्वारा नए अवसरों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

10 मुहर्रम के जुलूस के दौरान लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

पुलिस ने 33 लोगो का किया चालान मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीते वर्षो के भांति इस वर्ष भी कुछ अराजक तत्वों द्वारा जनपद की गंगा जमुनी तहजीब के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया गया है हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 33 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और अन्य लोगों की तलाश कर रही है मोहर्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में ताजिया निकालने के दौरान अक्सर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का मामला सामने आता है। बीते वर्ष भी कुछ इस तरह का प्रकरण मीरगंज और मड़ियाहूं क्षेत्र में देखने को मिला था ।पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से इस वर्ष भी हौसला बुलंद नवयुवकों द्वारा ताजिया निकालने के दौरान जमकर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। इस वर्ष का ताजा मामला मीरगंज थाना क्षेत्र के गोधना बाजार का है जहां मुहर्रम पर निकाले गए ताजिए में युवाओं ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। जिसका वीडियो सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। जिसको कुछ लोगो ने ट्वीट कर दिया जिसकी जानकारी होते ही जिम्मेदार लोगों में खलबली मच गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल वीडियो का संज्ञान लिया। सोमवार देर रात मे ही गांव पहुंची पुलिस ने करीब चार दर्जन से अधिक लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी हुई हैं। वही सोमवार की रात में गोधना बाजार समेत आसपास का इलाका पुलिस छवनी में तब्दील नजर आया। वीडियो में शामिल अन्य की तलाश जारी है।बीते शनिवार को मुहर्रम पर जगह–जगह से ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया। सी क्रम में गोधना व किशुनदासपुर से एक –एक ताजिया निकला, जिसे अगहुआ चौक पर ले जाकर दफन किया गया। इसी दौरान रास्ते मे गोधना गाँव के पास शिव मंदिर के समीप प्राथमिक विद्यालय गोधना के पास पाकिस्तान जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए गए। जो वायरल वीडियो में साफ साफ सुनाई दे रहा हैं। इस मोहर्रम ताजिए जुलूस का वीडियो सोमवार को वायरल किया गया। वीडियो में एक युवक माइक पर तरह–तरह के नारे लगवा रहा था। नारे में ही उसने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा भी लगाया है। उसके साथ चल रहे युवाओं ने नारे को दोहराया। वीडियो वायरल होने पर इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई। तब तक वायरल वीडियो इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर पहुंच गया। तथा कुछ लोगो ने इसे ट्वीट भी कर दिया वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक जौनपुर , क्षेत्राधिकारी मछलीशहर अतर सिंह, एसडीएम राजेश कुमार चौरसिया समेत अन्य अधिकारियों ने तत्काल आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के सख्त निर्देश दिए। रात मे ही पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी मौके पर पहुच गये मीरगंज पुलिस समेत पवारा, बरसठी, मुंगराबादशाहपुर, मछलीशहर, रामपुर, मड़ियाहूं, सिकरारा थाने की पुलिस गांव पहुंची, जहां से ताजिया निकाला गया था।

कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।वही इस मामले में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर अतर सिंह का कहना है कि ताजिया जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के वीडियो के आधार पर थानाध्यक्ष मीरगंज बृजेश कुमार गुप्ता को आरोपित के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। लोगो से पूछताछ की जा रही है। वीडियो में दिखाई दे रहे अन्य लोगों की छानबीन की जा रही है। एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जो मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के ठीक सामने का है जिसने भी नवयुवकों द्वारा जमकर शस्त्र प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं।

अपनी खुशी एवं खुशहाली के लिए अपने मुख पर गर्व करे विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। "ओरल हाइजीन दिवस (Oral Hygiene Day) के उपलक्ष्य में सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, तिवारीगंज, लखनऊ के पेरियोडेंटोलॉजी विभाग द्वारा कॉलेज के प्रेसीडेंट डा0 रजत माथुर, प्रधानाचार्य डा0 के0 एन0 दुबे एवं विभागाध्यक्ष पेरियोडान्टोलॉजी, डा0 विवेक बैंस के मागदर्शन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर आयोजित व्याख्यान जैसे "मौखिक एवं प्रणालीगत रोग" विषय पर डा0 रूचि श्रीवास्तव एवं "महिला रोगियों में मौखिक स्वास्थ्य देखभाल" जैसे विषय पर कर्नल डा0 अनिल झा ने महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर बी.एस.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र–छात्राओं के लिए "अपनी खुशी एवं खुशहाली के लिए अपने मुख पर गर्व करे" विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने बढ चढकर भाग लिया। प्रतिभागियों को पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सरस्वती डेंटल कॉलेज के प्रेसीडेंट डा0 रजत माथुर, ने उपस्थित लोगो को मुख की स्वच्छता के बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा विभाग के शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम में आयें हुए मरीजों तथा उपस्थित लोगों को मुख की स्वछता से जुडें सैम्पल किट का वितरण किया।

नेशनल प्रदर्शनी के लिए लखनऊ मण्डल से चयनित तीन विजेताओं की 8 व 9 अगस्त 2023 को आई आई टी दिल्ली में होगी मेंटरशिप कार्यशाला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद से मोंटफोर्ट इण्टर कॉलेज महानगर से कक्षा 10 के त्रिनभ दीक्षित और रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल विकास नगर से कक्षा 10 के अविरल दीक्षित

हरदोई के डी पी एस डी पब्लिक स्कूल से कक्षा 8 के अखिल मिश्रा को मिला ये अवसर

इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना 2021–22 के राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में पूरे प्रदेश से कुल 10 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ था,जिसमें लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक तीन चयन हुए थे।

जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी 'डॉ0दिनेश कुमार' ने बताया की इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2021–22 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन लखनऊ पब्लिक कोलीजिएट रुचि खण्ड –1 शारदा नगर लखनऊ में 24 दिसम्बर 2022 को सम्पन्न हुआ था जिसमें पूरे प्रदेश से इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना के जनपद स्तरीय प्रदर्शनी से चयनित कुल 118 बाल वैज्ञानिकों ने अपने अपने नवाचारी प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभाग किया था,

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि उक्त राज्य स्तरीय प्रदर्शनी से इंस्पायर अवार्ड मॉनक राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी–2021–22 के लिए बेस्ट दस मॉडल्स का चयन किया गया था,जिसमें लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक तीन बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ था।मोंटफोर्ट इण्टर कॉलेज महानगर लखनऊ के क्लास 10 के छात्र 'त्रिनभ दीक्षित' जिनके मॉडलध्प्रोटोटाइप का शीर्षक 'फिप्थ जेनरेशन ड्रेनेज' था–रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल सेक्टर–3 विकास नगर लखनऊ के क्लास 10 के छात्र 'अविरल दीक्षित' जिनके मॉडलध्प्रोटोटाइप का शीर्षक 'ऐन इन्नोवेशन फॉर एफोर्डबल एयर प्योरिफायर' था

जनपद हरदोई के डी0पी0एस0डी0पब्लिक स्कूल के क्लास 8 के छात्र 'अखिल मिश्रा' जिनके मॉडलध्प्रोटोटाइप का शीर्षक 'स्मार्ट एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट विद कैमरा' था

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि अब पूरे प्रदेश से चयनित दसों बाल वैज्ञानिकों को नेशनल स्तर की प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने की तैयारी करवाने के उद्देश्य से 'आई0आई0टी0दिल्ली' के वैज्ञानिकों द्वारा दो दिवसीय आवासीय मेंटरशिप कार्यशाला का आयोजन 8 व 9 अगस्त 2023 को आई0आई0टी0दिल्ली में किया जायेगा,जिसमें आई0 आई0 टी0 दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा चयनितों को उनके नवाचारी मॉडल्स के महत्व को बताते हुए आकर्षक प्रस्तुतिकरण के हुनर सिखाये जाएंगे।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि चयनितों को प्रतिभाग करवाने के लिए आई आई टी दिल्ली ले जाने के लिए चयनित छात्र व उनके साथ एक सहयोगी के आने जाने का ए0सी0 थ्री टियर का रेल किराया व ठहरने खाने की व्यवस्था एन0आई0ए0एफ0 द्वारा वहन किया जाएगा।

शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ0महेंद्र देव द्वारा दिये गए निर्देश के क्रम में लखनऊ मण्डल के 'जे डी माध्यमिक डॉ0प्रदीप कुमार सिंह' ने लखनऊ व हरदोई जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक को अपने जनपद के विजेताओं को मेंटरशिप कार्यशाला में दिए गए निर्देश के अनुपालन में समय से प्रतिभाग करवाने के लिए निर्देशित कर दिया है। जे0डी0माध्यमिक डॉ0प्रदीप कुमार सिंह ने लखनऊ मण्डल से चयनित तीनों बाल वैज्ञानिकों को उनकी इस सफलता को लखनऊ मण्डल की उपलब्धि बताते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए विधिवत तैयारी के लिए प्रेरित किया।

डॉ0दिनेश कुमार ने अवगत कराया कि लखनऊ मण्डल से चयनित तीनों प्रतिभाओं की उनके जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय बनाकर तैयारी करवाई जाएगी जिससे इनको राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी से भी इनके मॉडल का चयन हो सके।

मुख्यमंत्री के समक्ष नगर विकास विभाग की विभिन्न विकास योजनाओं का प्रस्तुतिकरण

प्रदेश सरकार सभी नगरों के सतत एवं सुनियोजित विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही : मुख्यमंत्री

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष आज यहां उनके सरकारी आवास पर नगर विकास विभाग की विभिन्न विकास योजनाओं के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी नगरों के सतत एवं सुनियोजित विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में जैसे–जैसे विकास बढ़ रहा है, उसी प्रकार शहरीकरण भी बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आकांक्षी नगर योजना के माध्यम से नगरों में आपस में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से विकास कार्यों को आगे बढ़ानें जा रही है। इसके लिए 16 इन्डीकेटर्स तय किए गए हैं। डाटा समय से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आकांक्षी नगर योजना के अन्तर्गत इस प्रकार व्यवस्था बनायी जाए, जिससे सभी नगर निकाय लाभान्वित हो सकें। इस योजना में सम्मिलित नगरों में सभी विभागों से सम्बन्धित पर्याप्त मैनपावर उपलब्ध करायी जाए। इन नगरों में विकास कार्यों को बेहतर ढंग से सम्पादित करने के लिए मुख्यमंत्री फेलो को भी तैनात किया जाए। इनका बेहतर प्रशिक्षण कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों के परिसीमन में वृद्धि कर नये नगरीय निकायों का सृजन किया है। इन नये नगरीय क्षेत्रों में जन्म प्रमाण पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को बेहतर किया जाए, ताकि आमजन को कोई परेशानी न हो। इसके लिए व्यवस्था को ऑनलाइन किया जाए। नगर विकास विभाग सभी 17 नगर निगमों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा कर कार्यों को बेहतर ढंग से सम्पादित करें। शहरी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट के कार्यों को आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब व्यक्ति की बेटी की शादीध्अन्य मांगलिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए नगर विकास विभाग द्वारा कल्याण मण्डपम बनाये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना से इन्हें जोड़ा जाए तथा इन कल्याण मण्डपम के निर्माण में विधायक निधि का भी उपयोग किया जाए। शहरी क्षेत्र के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों में मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए। इसके लिए कन्वर्जेन्स के माध्यम से कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। सभी विकास प्राधिकरण आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। शहरी क्षेत्र में ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए कार्यों को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जाए। शहरों में निराश्रितध्आवारा पशुओं का व्यवस्थित पुनर्वास किया जाए।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा, नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरू, अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार सहित शासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अंडर 17 बॉयज एवं गर्ल्स ट्रिपल जम्प, लॉन्ग जम्प व 200 मीटर रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकादमी के अक्षिता व अमृत ने सी आई एस सी ई यू पी /यू के द्वारा आयोजित जोनल अथलेटिक्स चौंपियनशिप में अंडर 17 बॉयज एवं गर्ल्स ट्रिपल जम्प, लॉन्ग जम्प व 200 मीटर रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया ।

साथ ही कई अन्य प्रतियोगिताओं में भी कई विद्यार्थियों ने रजत व कॉस्य पदक हासिल किये ।

इस अथलेटिक चौंपियनशिप में एस के डी अकादमी आई सी एस ई, राजाजीपुरम शाखा के कई विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया एवं पदक हासिल किये ।

मान्या डिसकस थ्रो रजत पदक
तनुश्री शॉट पुट रजत पदक
समृद्धि लॉन्ग जम्प रजत पदक
हाई जम्प कॉस्य पदक
अंडर 17 गर्ल्स अक्षिता ट्रिपल जम्प स्वर्ण पदक
अंडर 19 गर्ल्स कामिनी ट्रिपल जम्प रजत पदक
अंडर 17 बॉयज अंशुमान 5 कि मी वाक कॉस्य पदक
आकाश शॉट पुट रजत पदक
डिसकस राजल पदक
हैमर थ्रो रजत पदक तीनों प्रतियोगिताओं में हासिल किया
कृष्ण कुमार ट्रिपल जम्प कॉस्य पदक

अमृत कुमार सिंह ने लॉन्ग जम्प, 200 मी व 100 मी रेस तीनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक हासिल किया ।

पियूष ने लॉन्ग जम्प में रजत पदक प्राप्त किया

4'100 मी रिले रेस में अमृत, कृष्ण, आकाश व पियूष ने रजत पदक जीता एवं

4'400 मी रिले रेस में अमृत, कृष्ण, आकाश व पियूष ने स्वर्ण पदक जीत कर प्रथम स्थान हासिल किया

साथ ही अंडर 19 बॉयज में आदित्य गौतम ने 200 मी रेस में कॉस्य पदक जीता।

अकादमी के निदेशक मनीष सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी एवं ऐसे ही और बेहतर खेलते रहने व बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें दी ।

मेवात को नहीं बनने देंगे हिंदुओं का कब्रिस्तान- बजरंगदल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर हरियाणा के मेवात में इस्लामिक कट्टरपंतियों द्वारा शिव मंदिर पर हुए हमले के विरोध में बुधवार बजरंदगल जौनपुर जिला संयोजक विजय सिंह के नेतृत्व में सद्भावना पुल से कचहरी तक बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा । विहिप विभाग अध्यक्ष उदयराज सिंह ने कहा कि श्रावण में प्रतिवर्ष किसी भी सोमवार पर मेवात के अंदर भगवान शंकर का आशीर्वाद लेने के लिए महाभारत कालीन पांच मंदिरों में श्रद्धालु जाते हैं। उस दिन भी लगभग 20 – 25 हजार लोग पहुंचे हुए थे। अभी यात्रा शुरू हुए 15 मिनट भी नहीं हुए कि, उन पर उपद्रवियों ने गोलियां और पत्थर बरसाने तथा आगजनी शुरू कर दी। उन पर पेट्रोल बम फेंके गए, कारों, बसों और अन्य वाहनों को आग लगाकर जो सामने दिखा उन पर गोलियां बरसनी शुरू हो गई। दो भक्त बलिदान हो जाता है। कुछ अन्य लोगो को भी गोलियां लगती हैं। लेकिन तब तक यह दृश्य हम देख चुके थे कि पूरा मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया है। विजय सिंह ने कहा कि इस आतंकी हमले के कारण बजरंग दल के दो कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या हुई है और समाज के दो अन्य व्यक्ति भी बलिदान हुए हैं, विश्व हिंदू परिषद की मांग है उन सबके परिवारों को एक एक करोड़ रुपया दिया जाए। जो घायल हुए हैं उनको 20 लाख रुपया तथा जिनकी गाड़ियां और बसें नष्ट हो गई हैं उनको पूरी तरह क्षति पूर्ति की जाए, जिसकी जिम्मेदारी भी सरकार को लेनी चाहिए। पूरे मेवात क्षेत्र को सील करके कांबिंग कराई जाए और एक एक जिहादी को पकड़कर सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाए, तो ही मेवात में चल रहे इस हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी आतंक को रोका जा सकता है।

जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि जौनपुर में भी कुछ जगहों पर देश विरोधी नारे लगाए गए, उन पर भी रासुका लगाते हुए सख्त कार्यवाही हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से बजरंगदल विभाग संयोजक आशुतोष सिंह, जिला सह संयोजक संकल्प मिश्र और आनंद उपाध्याय, विहिप विभाग मंत्री समरबहादुर सिंह, जिला मंत्री डॉ आशीष मिश्र, कमलापति तिवारी, अजय चौबे, पंकज सिंह, मनीष सेठ, शुभम सिंह, जगमेंद्र निषाद, शिवम मिश्रा, विनय बिंद, मनोज अग्रहरी, विष्णु ठठेरा, दीपक गुप्ता, राहुल निषाद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय कैंट में संभागीय योगाभ्यास प्रतियोगिता का शुभारंभ

एजेन्सी

लखनऊ। केंद्रीय विद्यालय लखनऊ कैंट, लखनऊ में 01 अगस्त 2023 से 4 दिवसीय 52वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन की संभागीय योगासन (बालिका 14,17 और 19 आयु वर्ग) प्रतियोगिता 2023 आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ आज सुबह 09.00 बजे विद्यालय प्रचार्या और निर्णायक गण के साथ विद्यालय के योग एवं शरीरिक शिक्षा शिक्षक द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत करके सभी आगंतुकों का अभिवादन किया। सभी टीमों के प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट करके विद्यालय प्राचार्या को सलामी दी। इस खेल के लिए आमंत्रित सभी निर्णायकों को प्राचार्या द्वारा पुष्प गुच्छ एवं टोपी प्रदान कर स्वागत किया गया। सभी प्रतिभागियों को खेल को खेल भावना के साथ खेलने के लिए शपथ दिलाई गई।

शातिर अपराधी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर थाना अंतर्गत पुलिस द्वारा एक शातिर अपराधी को देशी तमंचा 315 बोर जिन्दा कारतूस के साथ बुधवार को गिरफ्तार किया है।इस संबंध में बुधवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शेलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी बदलापुर,अशोक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक बदलापुर अवनीश कुमार राय के नेतृत्व मे थाना बदलापुर की पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्ति व वांक्षित अपराधी की सघन चेकिंग के दौरान मुखबीर से प्राप्त सूचना पर सरोखनपुर पुलिया के पास से अभियुक्त जितेन्द्र पाण्डेय पुत्र घनश्याम पाण्डेय निवासी ऊदपुर गेल्हवा दाऊदपुर थाना बदलापुर को गिरफ्तार कियागया।तलाशी के दौरान इसके पास से एक तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस वालो ने पहचान किया कि इसी व्यक्ति का अवैध असलहे के साथ विडियो व फोटो वायरल हुआ था। जितेन्द्र पाण्डेय गिरफ्तारी किया गया है। बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चंदन नगर फल मंडी में लगी आग,5 दुकानें जली

एजेन्सी

लखनऊ। लखनऊ के थाना आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित चंदन नगर मार्केट में मंगलवार सुबह फल मंडी में आग लग गई। दुकानदारों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंची तीन दमकल ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से फल की पांच दुकानें जल गई। जिससे लाखों का सामान जल गया। दूसरी तरफ विभूतिखंड में एक कांप्लेक्स में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे ऑफिस में रखा फर्नीचर और कीमती सामान जल गया। एफएसओ आलमबाग के मुताबिक मंगलवार सुबह फायर स्टेशन पास स्थित चंदरनगर फल–सब्जी मंडी से आग लगने की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियां ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग से कृष्णानगर निवासी भगवानदास व जितेंद्र, आशियाना के रंजीत और मधुवन नगर की प्यारे और बेबी की दुकान की दुकान में रखा सामान जल गया। प्रारंभिक जांच में आग शार्ट सर्किट से लगने की बात सामने आ रही है।

अयोध्या में आई फ्लू के बढ़े मरीज, स्वास्थ्य विभाग ने की एडवाइजरी जारी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में आई फ्लू तेजी से फैल रहा है। कंजेक्टिवाइटिस के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग चिंता में हैं। आई फ्लू से चपेट में आने वाले मरीजों की आंखों में 72 घंटे तक यह संक्रमण रहता है। स्वास्थ्य विभाग आप सभी लोगो को इसके बारे में जागरूक कर रहा है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्वेता का कहना है, आई फ्लू वाले मरीजों को साफ–सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया, बीते कई दिनों से आई फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों से अपील की गई है कि कंजेक्टिवाइटिस से पीड़ित व्यक्ति से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। साथ ही कुछ सावधानियां भी बरतें। संक्रमित व्यक्ति से उसका बिस्तर, तकिया, गमछा आदि अलग कर दें। कोई भी वस्तु छूने के बाद हाथों को साबुन से धुले। घर से जाते और आते समय हाथ अवश्य धुलना चाहिए। संक्रमित के लिए अलग कमरे की व्यवस्था करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन ने बताया, इन दिनों यह बीमारी व्यापक रूप से फैल रही है। यदि कोई व्यक्ति इससे संक्रमित हो जाए तो घर के शौचालय और स्नानघर की सफाई पर विशेष ध्यान देना है।ों इन बातों का रखें विशेष ध्यान।

अगर संक्रमण है। तो आंखों पर काले चश्मे का प्रयोग करें और लोगों से दूरी बना लें। संक्रमित व्यक्ति से दूसरों को भी संक्रमण का खतरा होता है। इसलिए संक्रमित व्यक्ति की आंखों के लिए अलग आई ड्राप रखना है। उन्होंने बताया कि चिकित्सीय परामर्श से ही आई ड्रॉप लेना चाहिए। आंखों को बार–बार छूना नहीं चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

–जो बच्चे बीमार हों उन्हें घर से बाहर न निकलने दें।

–बीमार के संपर्क में किसी अन्य बच्चे को नहीं आने दें।

–स्कूल में शौचालय की तीन से चार बार अच्छे से साफ–सफाई।

–बच्चों के क्लास रूम को ज्यादा से ज्यादा साफ रखना है।

–वायरस जन्य बीमारी नेत्र फ्लू की समस्या लगातार बढ़ रही है।

चिकित्सकों व तीमारदारो के बीच मे मारपीट से परेशान रहे मरीज

मरीज व अन्य पर मुकदमा दर्ज

अयोध्या।जिला अस्पताल की इमरजेंसी में बुधवार की सुबह मरीज का इलाज कराने आए तीमारदारो व डॉक्टर व फार्मासिस्टों के बीच मारपीट की नौबत आ गई।इसके बाद आक्रोशित चिकित्सक वर्ग के अलावा , चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संगठन, नर्सेज संगठन, संयुक्त कर्मचारी संगठन व पीएएमएस संगठन के पदाधिकारी व जिला चिकित्सालय में तैनात कर्मियों ने जिला चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन व हड़ताल शुरू कर दी।सूचना पाकर किसी अनहोनी से बचने के लिए पुलिस के उच्चाधिकारियों ने जिला चिकित्सालय में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया। वही वहां पर चिकित्सक व कर्मियों द्वारा धरना प्रदर्शन देने के चलते स्वास्थ्य सेवाए चरमरा गई।दूर दराज से आने वाले मरीज काफी परेशानियों का सामना कर बिना इलाज के बैरंग वापस लौटना पड़ा। इस बीच अस्पताल परिसर में घंटों अफरा–तफरी का माहौल रहा।बताते चलें कि बुधवार की सुबह जिला अस्पताल की इमरजेंसी में डाक्टर पल्लवी श्रीवास्तव की इमरजेंसी में ड्यूटी थी।जब वे इस दौरान एक मरीज को देखने राउंड पर थी तो उनकी अलावा इमरजेंसी कक्ष में बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनिल कुमार वर्मा व फार्मेसिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव मौजूद थे।तभी इस बीच पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के अलावलपुर के मजरे साधु पांडे का पुरवा निवासी अजय मिश्रा अपने छोटे भाई विजनेश मिश्रा को जिला चिकित्सालय में दिखाने आए थे। वही किसी बात को लेकर मरीजद व उनके भाई से वहां पर तैनात चिकित्सक डॉ अनिल कुमार वर्मा व अन्य फार्मासिस्टों से कुछ कहासुनी हो गई।थोड़ी देर बाद हिमांशु मिश्रा अस्पताल में पहुंचे।थोड़ी देर में मरीज व उनके तीमारदारो से डॉक्टर अनिल वर्मा व फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव से मारपीट शुरू हो गई।वही पर पास में खड़े एक सुरक्षाकर्मी ने भी बीच बचाव करने का प्रयास किया तो वे भी घायल हो गए।वही मारपीट की खबर सुनते ही वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ फुजेल अंसारी इमरजेंसी वार्ड की तरफ आए तो आरोप के मुताबिक तीमारदारो ने उनकी भी पिटाई कर दी।वही तीमारदार की मानें तो वहां पर मौजूद सभी डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी मौके पर पहुंचे और मरीज व उनके परिजनों पर पर हमला बोल दिया।इस घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, नगर कोतवाल अश्वनी पांडे, कैंट कोतवाल के के मिश्रा आदि भारी पुलिस बल के साथ जिला चिकित्सालय परिसर में पहुंच गए।इसके बाद आक्रोशित सभी डाक्टरों व स्टाफ नर्सों व स्वास्थ्य कर्मियों ने इमरजेंसी ओपीडी के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।सूचना पाकर एडीएम सिटी सलिल कुमार व सीएमओ डॉक्टर संजय जैन भी मौके पर पहुंचे और वार्ता की,लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी तक डॉक्टरों ने धरना प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान किया है।चिकित्सकों व अन्य कर्मियों द्वारा हड़ताल होने से वाडो से लेकर ओपीडी तक जमा मरीजों में हाहाकार मच गया।वही कुछ देर बाद जिला चिकित्सालय के चिकित्सक डाक्टर अनिल वर्मा के तहरीर पर मरीज बिजनेस मिश्रा व अजय मिश्रा, दिनेश मिश्रा व हिमांशु मिश्रा के खिलाफ 11 धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा, धारा 186, 332, 333, 307,308, 323, 427, 504, 506,7 सीएलए व 3 ए की मुकदमा दर्ज होने व उसकी कापी मिलने के बाद डॉक्टर स्टाफ नर्स व कर्मचारियों ने धरना समाप्त कर काम पर लौट कर स्वास्थ्य सेवाएं बहाल शुरु किया।वही दूसरी ओर जिला चिकित्सालय में डॉक्टर और मरीज के तीमारदार से मारपीट का मामले में क्रास एफआईआर कराने के लिए भाजपा के पदाधिकारी कोतवाली नगर में जमे रहे।इस मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा,नगर विधायक पुत्र अमल गुप्ता सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के जमे रहे।इन भाजपा नेताओं का मानना है कि भाजपा नेता व डॉक्टरों के मारपीट में आरोपी अजय मिश्रा भी मुकदमा दर्ज कराने करायेगे।

यह बातें महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कही।फिलहाल अभी कोतवाली नगर में भाजपा नेता तहरीर के माध्यम से आरोपी चिकित्सकों व अन्य कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को लेकर जमे रहे।इस संबंध में जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बृज कुमार ने बताया कि आज जो घटना घटी उसमे आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसके अलावा जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर व अन्य पुलिस अधिकारी से पत्र के माध्यम से अवगत कराया जायेगा।कि इस परिसर में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती हो।

मिलावट करने वालों की खैर नहीं, जनवरी में खाद्य विभाग को मिलेगी अपनी लैब

अयोध्या क्राइम रिपोर्टर मुकेश कुमार। जनपद अयोध्या में जल्द टेस्ट करके विभाग बता देगा खाद्य पदार्थो में मिलावट है कि नहीं। 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, विभाग की गठित टीम गुणवक्ता की जांच कर रही है। अयोध्या में

आने वाले समय में खाद्य पदार्थो में मिलावट करने वालों की खैर नहीं है । जनवरी में खाद्य विभाग को आधुनिक टेक्नालोजी से युक्त लैब मिलने जा रही है। पहले खाद्य पदार्थो के नमूने बाहर जांच के लिए भेजे जाते थे। जिन्हें आने में काफी समय लग जाता था। जिसको लेकर विभाग को कार्रवाई करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था । परन्तु अब यह समय काफी कम लगने वाला है । जनपद के रुदौली तहसील क्षेत्र में इस लैब का निर्माण हो रहा है । जिसमें 65 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।

सहायक खाद्य आयुक्त मानिक सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा प्रदेश के सभी नगर निगमों को आधुनिक संसाधनों से युक्त लैब दी गयी है । अयोध्या में 26 करोड़ की लागत से लैब का निर्माण किया जा रहा है । जिसमें मण्डल के सभी जनपदों के सैम्पल जांच के लिए आयेंगे । इस लैब के निर्माण का 65 प्रतिशत काम पूरा हो गया है । 35 प्रतिशत आभी बाकी है। सिफ्सों के द्वारा लैब निर्माण किया जा रहा है । लैब की गुणवक्ता की जांच के लिए विभाग के द्वारा टीम का गठन किया गया है । जो मानक के अनुसार क्लालिटी चेक करती है। कमी होने पर इसकी सूचना अपर मुख्य सचिव को दी जाती है।

अयोध्या समाजवादी पार्टी महानगर की 51 सदस्यीय कमेटी घोषित

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या समाजवादी पार्टी महानगर की 51 सदस्यीय कमेटी घोषित किया गया। श्रीचंद यादव, संजय सिंह, रियाज अहमद, राकेश पांडे, सूरज वर्मा, नागेश्वर कोरी उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल व राकेश यादव महानगर प्रवक्ता बनाए गए।आज समाजवादी पार्टी महानगर ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के अनुमोदन पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महासचिव हामिद जाफर मीसम ने समाजवादी पार्टी महानगर की 51 सदस्यों की कमेटी घोषित करते हुए सभी नए पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामना दी। महानगर प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया कमेटी में उपाध्यक्ष श्री चंद यादव, रियाज अहमद अंसारी, संजय सिंह,नागेश्वरनाथ कोरी, राकेश पांडे, सूरज वर्मा, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, महानगर सचिवद्य प्रवक्ता राकेश यादव, सचिव जसवीर सिंह सेठी, शक्ति जयसवाल, हरीश सावलानी, मोहम्मद जावेद राइन, तौसीफ खान सरकार, योगेश श्रीवास्तव, प्रदीप निषाद, शंकर जीत यादव, राम नेवल पाल, मोहम्मद समीम सलमानी, विजय यादव, जगन्नाथ यादव, दुर्गेश वर्मा, वीरेंद्र गौतम, कार्यकारिणी सदस्य राम भजन यादव, संजय सोनकर, श्रीमती उमा यादव, इश्तियाक खान, ऋषि श्रीवास्तव, अजय यादव, कौशल यादव, भगवानदीन निषाद, सूबेदार यादव, मोहम्मद इरशाद, वीरेंद्र यादव, बृजलाल पासी, अखिलेश चौबे, अहमद जमीर सफी, सिद्धीक अहमद, अमन सागर, सुरेंद्र यादव, प्रमोद मौर्या, श्रीमती शिवकुमारी, राजनाथ यादव, सुनील तिवारी, अजय यादव, ऋतुराज सिंह, उमेश यादव, रंजीव सोनी, हर्षित पाठक, मकसूद अहमद सहित 51 सदस्यीय कमेटी घोषित की गई इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महासचिव हामिद जाफर मीसम ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपनी शुभकामना दी। सपा महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे, जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, पूर्व प्रमुख राम अचल यादव, पूर्व प्रदेश सचिव मो हलीम पप्पू जिलाध्यक्ष शिक्षक सभा दान बहादुर सिंह, महानगर अध्यक्ष महिला सभा अपर्णा जयसवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष छात्र सभा राहुल सिंह, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मुलायम यूथ ब्रिगेड मो सुहैल, आकिब खान, शाहबाज लकी सहित सभी पार्षदगण ने सभी के मनोनयन पर अपनी शुभकामनाएं दी।

थाना महराजगंज अयोध्या पुलिस ने 85 ग्राम नाजायज स्मैक के साथ अभियुक्तको किया गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद अयोध्या के द्वारा अवैध मादक पदार्थ के कार्यों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सर्किल सदर के निकट प्रवेक्षण में अनुपम मिश्रा थानाध्यक्ष महराजगंज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 रामप्रकाश मिश्रा थाना महराजगंज जनपद अयोध्या मय हमराह फोर्स के मुखविर की सूचना के आधार पर अभि0 राजेश सिंह पुत्र स्व0 उदयभान सिंह निवासी राजेपुर थाना महराजगंज जनपद अयोध्या को 85 ग्राम नाजायज अवैध स्मैक के साथ बिल्हरी मोड़ से गिरफ्तार किया गया । जिस सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर कई धारा एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

मुसलमानों का शोषण बंद करें राजनीतिक दल: मोहम्मद साकिब

एजेन्सी

लखनऊ। ऑल इंडिया यूनाइटेड मुस्लिम मूवमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद साकिब ने लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित अपने मुख्य कार्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को केवल धोखा दिया है। यही कारण है कि मुसलमान उनके कार्यकाल में धीरे–धीरे नौकरियों में 30: से घटकर 2: पर आ गए हैं और उनकी आर्थिक और शैक्षिक स्थिति दलितों से भी बदतर हो गई है। जैसा कि रंगनाथ मिश्रा कमीषन और सच्चर कमेटी की रिपोर्टों से पुष्टि होती है, उन्हीं राजनीतिक पार्टियों के शासन के दौरान, अनुच्छेद 341 पर धार्मिक प्रतिबंध लगाकर मुसलमानों और दलितों को आरक्षण के एक बड़े पैकेज से वंचित किया गया था, और ओ0बी0सी0 के 27: हिस्से के अनुसार आरक्षण का लाभ नहीं उठाने दिया गया।

मोहम्मद साकिब ने आगे कहा कि यह बहुत दुखद है कि जब भी संसद में मुसलमानों के खिलाफ कोई बिल आता है, तो कुछ पार्टियां इस बिल का समर्थन करके मुसलमानों की भावनाओं से खिलवाड़ करती हैं। बी0जे0पी का डर दिखाकर मुसलमानों का वोट. अब मुसलमान धोखेबाज पार्टियों को वोट देने के बजाय नोटा का बटन दबाकर राजनीतिक पार्टियों को मुसलमानों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देने और मुसलमानों की समस्याओं पर सड़क से संसद तक आवाज उठाने के लिए मजबूर करेंगे।

बिल्ली बचाने में डिवाइडर से टकराई बाइक, तीन घायल

एजेन्सी

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ककुआ राउत के निकट बिल्ली बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में दो युवती समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। कोतवाली क्षेत्र के खीरीघाट मुहल्ले के रहने वाले अजय कुमार सुबह चार बजे बाइक से दो युवतियों के साथ अयोध्या दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ककुआ राउत गांव के निकट बाइक के सामने अचानक एक बिल्ली आ गई।

धर्म लिबास से नहीं विचार–आचार से प्रकट होना चाहिए, सीएम योगी के बयान पर अखिलेश का पलटवार

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक इंटरव्यू में मजहब को लेकर एक बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि ये देश मजहब से नहीं संविधान से चलेगा। अगर देश में रहना है तो राष्ट्र की सर्वोपरि को मानना होगा। सीएम के इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश ने कहा कि धर्म लिबास से नहीं विचार–आचार से प्रकट होना चाहिए, धर्म धमकी नहीं होता। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि ये देश संविधान से चलेगा। मत और मजहब से नहीं, मैं ईश्वर का भक्त हूं लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं, आपका मत आपका मजहब अपने तरीके से अपने घर में होगा, अपनी मस्जिद, अपनी इबादतगाह में होगा।

सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप किसी भी अन्य तरीके से दूसरों पर थोप नहीं सकते हैं। नेशन फर्स्ट है, यदि देश में किसी को रहना है तो उसको राष्ट्र को सर्वोपरि मानना होगा। अपने मत और मजहब को नहीं। सीएम योगी के इस बयान के बाद अखिलेश यादव ने उन पर तंज कसा है।

यूपी कैबिनेट मीटिंग, बत्तीस प्रस्तावों को मिली मंजूरी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई जिसमें कृषि, उच्च शिक्षा, पर्यटन और राजस्व समेत कई विभागों के 32 प्रस्तावों पर मुहर लगी।बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन का फैसला किया गया है। इसमें एक अध्यक्ष और 12 सदस्य होंगे। अब इसी आयोग के तहत बेसिक, माध्यामिक और उच्च शिक्षा विभाग की सभी भर्तियां होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर जिले में एक निजी विश्वविद्यालय और मंडल में एक सरकारी विश्वविद्यालय की स्थापना का लक्ष्य रखा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उप्र में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग के होटलों को पीपीपी मॉडल पर चलाने का निर्णय लिया गया था। मथुरा, हरदोई समेत अन्य जगहों के पर्यटक आवास गृहों को पीपीपी मॉडल पर देकर विकसित और संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 10 आवास गृहों को दिया जाने का निर्णय लिया गया है। आज 32 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। प्रदेश के प्राचीन धरोहर भवनों को एडाप्टिव रीयूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता यानि पीपीपी मॉडल पर हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है।

कैंट पुलिस की गिरफ्त से फरार युवक को नियांवा से हिरासत में लेकर ली राहत की सांस

अयोध्या। बुधवार को सुबह थाना कैंट क्षेत्र के गुप्तारघाट निवासी शांति भंग में गिरफ्तार आरोपी को जब पुलिस मेडिकल कराने के लिये जिला चिकित्सालय ला रही थी कि तभी युवक पुलिस की जीप से कूदकर फरार होना चाहा।वही जिला चिकित्सालय में उसके साथ आई महिला ने जमकर हंगामा काटा।गनीमत यह रही कि पुलिस की गिरफ्त से फरार आरोपी को पुलिस ने नियांवा चौराहे के पास से गिरफ्तार किया।तब जाकर पुलिस के जान में जान आई।मालूम हो कि बुधवार को थाना कैंट क्षेत्र के चौकी मीरान घाट में स्थित गुप्तारघाट निवासी सूरज निषाद को कैंट पुलिस मेडिकल कराने के लिये जब जिला चिकित्सालय ले आ रही थी कि जब उक्त आरोपी को पुलिस जिला चिकित्सालय के अंदर ले जाती कि आरोपी जीप से कूदकर फरार हो गया। युवक के फरार हो जाने पर पुलिस के हाथ–पांव फूल गए। और उसे गिरफ्तार करने के लिये उसके दौड़ पड़े। गनीमत यह रही कि मीरान घाट चौकी प्रभारी शिवा नंद के अलावा अन्य पुलिस कर्मियों में शामिल कांस्टेबल श्याम बिहारी, विकास कुमार, महिला कांस्टेबल में नेहा शैलेजा व करिश्मा ने उसे नियांवा चौराहे से गिरफ्तार किया।जब फिर पुलिस गिरफ्तार किए युवक का मेडिकल कराने को जिला चिकित्सालय ले आयी तो उसके साथ महिला अन्नू निषाद ने इमरजेंसी कक्ष में जमकर हंगामा काटा।इस दौरान उक्त महिला को संभालने के लिये आधा दर्जन महिला व पुरुष पुलिस कांस्टेबल के साथ साथ चिकित्सक व वार्ड कर्मियों के छक्के छूट गये।किसी तरह से पुलिस ने हिरासत में लिए गए आरोपी को अपने काबू में किया।

सनातन महासभा की 115वी मां गोमती आरती का आयोजन

एजेन्सी

लखनऊ। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित श्रावण अधिक मास पूर्णिमा पर आयोजित 115वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती व सनातन समरसता समागम का आयोजन मंगलवार को किया गया।

मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ हरिद्वार की तर्ज पर 07 भव्य मंचो से पूज्य श्री आनंद नारायण जी महाराज,नैमिषारण्य मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव एवं कुमार अशोक पांडेय के सानिध्य में हुई। श्रावण मास में हरियाली प्रकृति को ध्यान में रखकर महिला शक्ति सौंदर्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन महिलाओ द्वारा डॉ0 रूबी सिन्हा, जुली गुप्ता के संयोजन में हुआ।

जिसमें महिलाओ के दो समूह 05 से 18 वर्ष और 18 से ऊपर ने मनमोहक भक्ति संगीत पर रैम्प प्रस्तुत किया। बाद में दोनों समूहों में प्रथम, द्वितीय, तृतिया और चार चार सांत्वना पुरस्कार दिए गए और सभी को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। महाआरती का संयोजन कर रहे हासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि महाआरती के बाद 1008 दीपो से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा और सभी ने वरिष्ठ समाजसेवी रामगोपाल अवस्थी व आरती शुक्ला के नेतृत्व में गोमती की सफाई व किनारो पर अतिक्रमण हटाने का संकल्प दीपो से सभी भक्तों को कराया।

इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया और भक्तो को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया।इन्हें मिला सनातन शिरोमणि सम्मान विधायक रामकृष्ण भार्गव, वरिष्ठ समाज सेवी रामगोपाल अवस्थी, विनीता श्रीवास्तव को सनातन शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

कायम, हमजा, तालिब और लारैब के गोल से यूनिटी कालेज की जीत

एजेन्सी

लखनऊ। लामार्टिनयर मार्टिन फुटबॉल कप में मंगलवार को यूनिटी कालेज लखनऊ ने एस विद्यालय अकादमी हरादोई को लामार्टिनयर ग्राउंड पर एकतरफा मुकाबले में 4–0 गोल से हरा दिया। यूनिटी की ओर से कायम अब्बास जैदी, हमजा, तालिब और लारैब ने एक–एक गोल की सफलता दर्ज की। वहीं यूनिटी की ओर से गोलकीपर अयान ने उम्दा बचाव करते हुए टीम को खेल के पूरे समय तक सुरक्षित रखा। खेल के पहले हाफ में यूनिटी कालेज लखनऊ ने प्रतिद्वंद्वी टीम हरदोई पर आक्रामक खेल का प्रदर्शन करने के साथ अपने डिफेंस को भी मजबूत रखा। पहले हाफ के 12वें मिनट में यूनिटी की ओर से अरहम के उम्दा पास पर तालिब ने मैदानी गोल दागकर टीम का स्कोर 1–0 कर दिया।

डीसीडीएफ के चेयरमैन ने ग्रहण किया पदभार

एजेन्सी

लखनऊ। जिला सहकारी विकास संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत शुक्ला ने आज पदभार ग्रहण कर संचालक मण्डल की बैठक की। संचालक मण्डल ने सात प्रस्ताव पास कर प्रशांत शुक्ल के हाथों को मजबूत करने की बात दोहराई। निवर्तमान अध्यक्ष शिवशंकर शुक्ला ने नव नियुक्त अध्यक्ष एवं संचालकों का स्वागत किया और संघ के उज्ज्वल भविष्य के लिए नये संचालक मण्डल को शुभकामनाएं दीं नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत शुक्ला ने पारित प्रस्तावों के बारे में पत्रकारों को बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व में संचालक मण्डल के लिए गये निर्णयों को सख्ती से पालन किया जायेगा। शासन की मंशा के अनुसार किसानों को खाद, बीज व कीटनाशक दवाओं को संघ का प्रयास होगा कि ब्लॉक स्तर पर संघ की शाखाएं खोली जायें जिससे किसानों को प्रशिक्षण दिया जा सके और नैनो तरल पदार्थ के उपयोग की विधि और उससे फसलों पर होने वाले लाभ के बारे में किसानों को भली–भांति अवगत कराया जा सके। खाद बीज और कीटनाशक दवाओं की किसानों को कमी नही आने देंगे। शासन की इच्छा के अनुसार समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत धान के क्रय केन्द्र खोले जायें। उसके लिए जिला सहायक निबन्धक सहायक आयुक्त क्रय एजेंसियों से तुरंत सम्पर्क किया जायेगा।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।